ICMR
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

NIIH
NATIONAL INSTITUTE OF IMMUNOHAEMATOLOGY

आईसीएमआर- हीमोग्लोबिनोपॅथी अनुसंधान प्रबंधन और नियंत्रण केंद्र
(आईसीएमआर- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान संस्थान)
मौजा खुटाळा, प्लॉट नं. ९५/१, सर्व्हे नं. ९५/१ & ९२,
चंद्रपूर - ४४२ ४०६ महाराष्ट्र दूरध्वनी : ०७१७२-२६३२३१

सिकल सेल क्या है ?

सिकल सेल एक खुन की अनुवांशिक बिमारी है, जो माता पिता से बच्चों में गुणसुत्र (जनुकीय) स्वरुप में मिलती है। इस बीमारी में लाल रक्तकोशिकाओ का आकार ऑक्सिजन की कमी के कारण असामान्य, कठोर तथा हसिए के समान होता हैं। इन रक्तकोशिकाओं की आयु कम होने से अनेमिया होता है। इस बिमारी का कोई स्थायी समाधान नही है (बोन मेरो ट्रांस्प्लांट के अलावा) परंतु नियमित वैद्यकीय जाँच तथा उपाय से रोगी के लक्षण तथा रोग की जटीलताओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

प्रकार

- ✓ सिकल सेल वाहक (AS)
- ✓ सिकल सेल ग्रस्त (SS)

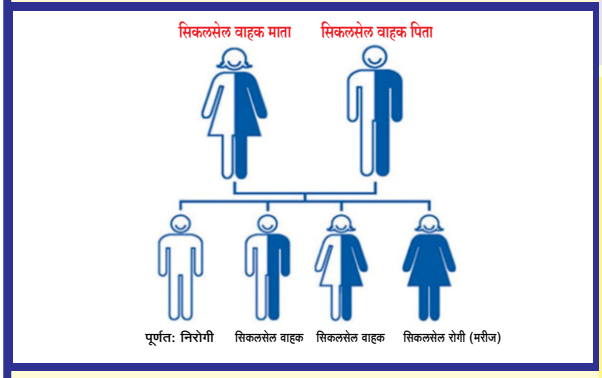

लक्षण

- ✓ लालपेशीयाँ तथा हिमोग्लोबीन की कमतरता
- ✓ बारबार खून चढाना
- ✓ हड्डीयों तथा जोडोमें दर्द और सूजन
- ✓ खून की छोटी कोशिकाओं मे बाधा
- ✓ जिगर तथा तील्ली का फुलना
- ✓ भुक न लगना
- ✓ थकान तथा बारबार बुखार आना
- ✓ ऑखे पीली रहना

निदान

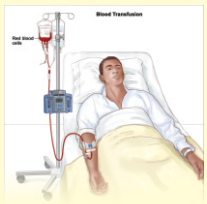

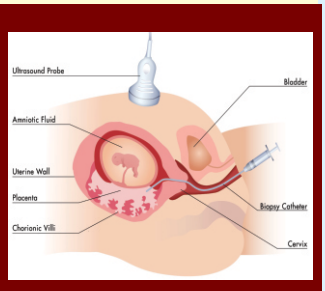

- ❖ पुर्ण रक्तकण गणना
- ❖ सोल्युबिलीटी टेस्ट
- ❖ सेल्युलोज अॅसीटेट इलेक्ट्रीफोरेसीस
- ❖ एच. पी. एल. सी.
- ❖ डी. एन. ए. तपासणी

उपचार / सावधानी

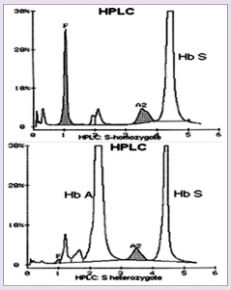

- ज्यादा से ज्यादा पानी पिना
- शरीर गरम रखना
- नियमित आहार
- शरीर को विश्राम
- नियमित वैद्यकीय जाँच और फॉलीक अॅसिड, हायड्रॉक्सी युरिया, डॉक्टर की सलाह नुसार लेना
- जरुरत होने पर खून चढाना
- अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बोन मेरो ट्रांस्प्लांट)

प्रतिबंधात्मक उपाय

- संबंधित जानकार से सलाह लें।
- इस बिमारी का कोई स्थायी समाधान नही है (बोन मेरो ट्रांस्प्लांट के अलावा) परंतु नियमित वैद्यकीय जाँच तथा उपाय से रोगी के लक्षण तथा रोग की जटीलताओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।
- शादी से पूर्व विवाहयोग्य जोडी की सिकल सेल संबधित खुन की जॉच कराये । (अगर कोई व्यक्ती सिकल सेल वाहक है तो उसने अपने जोडीदार का भी सिकल सेल के लिए खुन जाँच करना जरुरी है।)
- गर्भधारणा से पूर्व पती पत्नी की सिकल सेल संबधित खुन की जाँच कराये । अगर पती पत्नी दोनो सिकल सेल वाहक है तो गर्भाशय के भृण की जाँच करना आवश्यक है। (११ से १३ सप्ताह में सी. व्ही. एस. १४ से १५ सप्ताह मे एम्नीओसिंटेसिस तथा १८ से २० सप्ताह में कॉर्डोसेंटेसिस कर सकते है।)
- अगर परिवार में किसी व्यक्ती में तथा किसी समुदाय में सिकल सेल की बीमारी नजर आती है तो उस व्यक्ती के परिवार के सदस्यों ने सिकल सेल के लिए तथा समुदाय के लोगों को सिकल सेल की खुन की जाँच करना जरुरी है।